..... अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत .....

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

KAVAYITRI BAHINABAI CHAUDHARI NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY, JALGAON

रूचि आधारित साख पद्धति
Choice Based Credit System (CBCS)

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) मुख्यांशपाठ्यक्रम
(Core Course - DSC)

प्रथम एवं द्वितीय सत्र
(Ist & IInd Semester)

(w. e. f. August 2022)

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
(प्रारंभ - अगस्त 2022)

✦ पाठ्यक्रम का महत्त्व :-

प्रस्तुत पाठ्यक्रम रूचि आधारित साख पद्धति (CBCS) के आधार पर निर्धारित किया गया है। जिसमें सभी ज्ञान शाखाओं के छात्राओं के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करने हेतु क्षमता निर्मितकरना पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। भाषिक, साहित्यिक क्षमता के साथ-साथ रोजगाराभिमुख दृष्टि आत्मसात करने हेतु यह पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण है। छात्रों में मानवीय मूल्यों के संवर्द्धन की दृष्टि से भी पाठ्यक्रम उपयुक्त है।

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

i) हिंदी भाषा एवं साहित्य की सम्यक जानकारी प्राप्त करना।

ii) हिंदी भाषा एवं साहित्य के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की परख करना।

iii) छात्रों के चिंतन क्षितिज का विस्तार करना।

iv) भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति कौशल के माध्यम से व्यक्तित्त्व का संपूर्ण विकास करना।

v) रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास करना।

vi) भाषिक सम्प्रेषण, योग्यता संवर्द्धन तथा कौशल विकास आत्मसात करना।

vii) भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त करना।

✦ सूचनाएँ :

I. प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु 03 प्रतिष्ठांक (Credit) निर्धारित किए गए है।

II. 01 प्रतिष्ठांक हेतु 15 तासिकाएँ निर्धारित है।

III. प्रत्येक छात्र को 40 अंक अंतर्गत (Internal) मूल्यांकन के लिए तथा 60 अंक बाह्य (External) परीक्षा के लिए होंगे।

IV. अंतर्गत मूल्यांकन के 40 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से रहेगा :

1) दो घटक परीक्षाएँ 10 + 10 = 20 अंक
2) सेमिनार / समूह चर्चा / प्रकल्प लेखन / स्वाध्याय (Home Assignment) = 10 अंक
3) छात्रों की उपस्थिति तथा आचरण = 10 अंक

रूचि आधारित साख पद्धति
Choice Based Credit System (CBCS)
प्रथम वर्ष कला हिंदी
मुख्यांश पाठ्यक्रम(Core Course)
DSC HIN A I – सामान्य हिंदी I (3 क्रेडीट)

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य :**

i) छात्रों को कथेत्तर गद्य की विविध विधाओं से परिचित करना।
ii) कथेत्तर गद्य तथा पद्य की विविध रचनाओं के माध्यम से छात्रों में मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।
iii) कथेत्तर गद्य तथा पद्य की विविध रचनाओं के माध्यम सेछात्रों की भाषिक और लेखन की क्षमता को विकसित करना।
iv) कथेत्तर गद्य तथा पद्य की विविध रचनाओं के माध्यम से छात्रों में माध्यम से सामाजिक संवेदना को जागृत करना।

हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक**साहित्य सरिता** के निम्न रचनाकार एवं उनकी रचनाएं अध्ययनार्थ रखी गई हैं :-

(प्रथम सत्र) गद्य			
क्र	पाठ / कविता का शीर्षक	लेखक /कवि	विधा
1	पूस की रात	प्रेमचंद	कहानी
2	प्रायश्चित्त	भगवतीचरण वर्मा	कहानी
3	साहित्य की महत्ता	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	निबंध
4	वैष्णव की फिसलन	हरिशंकर परसाई	व्यंग्य
5	रीढ़ की हड्डी	जगदीशचन्द्र माथुर	एकांकी
6	सुभान खा	रामवृक्ष बेनीपुरी	रेखाचित्र
(प्रथम सत्र) पद्य			
1	पद	तुलसीदास	काव्य
2	पद	सूरदास	काव्य
3	दोहे	कबीरदास	काव्य
4	पदावली	मीराबाई	काव्य
5	दोहे	बिहारी	काव्य
6	पदावली	भूषण	काव्य
व्याकरण - 1 विलोमार्थक शब्द 2 शब्द -संसाधन 3 पत्र-लेखन			

संदर्भ ग्रंथ:

1) साहित्य सरिता – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, कबचौउमवि, जलगाँव
2) प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन– कमल किशोर गोयनका
3) बीसवीं सदी का हिंदी साहित्य – डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
4) हिंदी कहानी में गांधीवाद– निशा गहलौत
5) कहानी वस्तु और अंतर्वस्तु– शंभु गुप्त
6) अंतिम दशक की हिंदी लेखिकाओं की कहानी में अभिव्यंजित नारी मनोविज्ञान- डॉ. आशा बी. हिरेमठ
7) नई कविता के नए कवि – विश्वंभर मानव
8) समकालीन कविता – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
9) समकालीन कविता – डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र
10) आधुनिक हिंदी काव्यधारा– डॉ. सरजू प्रसाद मिश्र
11) देवनागरी लिपि तथा मानवीकरण, संपा. प्रो. अवनीश कुमार, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, (भारत सरकार)
12) हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
13) मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर
14) शुध्द हिंदी– डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यकार जयपुर
15) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी– ओंकारनाथ वर्मा, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ
16) व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल, पीतांबर पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
17) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण – डॉ. नामदेव उतकर, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
18) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण– डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर
19) प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, ब्रह्मनगर, कानपुर
20) व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ईश्वरदत्त शील, विद्या विहार, गांधीनगर, कानपुर

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला हिंदी

प्रथम सत्र (Ist Semester)

मुख्यांश पाठ्यक्रम(Core Course)

DSC HIN A-1 – सामान्य हिंदी I (3 क्रेडीट)

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन</u>

समय :- दो घंटे	पूर्णांक -60
प्रश्न 1 अ) बहुपर्याय वाले प्रश्न 8 में से 6 के जवाब देने है | (04 गद्य पर 04 पद्य पर)	06
आ) एक वाक्य में जवाब वाले प्रश्न 8 में से 6 के जवाब लिखने है | (04 गद्य पर 04 पद्य पर)	06
प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न	
क) गद्य पर 2 में से 1	06
ख) पद्य पर 2 में से 1	06
प्रश्न 3 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4 के जवाब लिखने है |{3+3+3+3} (03 गद्य पर 03 पद्य पर)	12
प्रश्न 4 ससंदर्भ व्याख्या	
(गद्य पर 2 में से 1)	06
(पद्य पर 2 में से 1)	06
प्रश्न 5 व्याकरण पर	
1 विलोमार्थी शब्द (03अंक)	
2 शब्द संसाधन (03अंक)	12
3 पत्र लेखन 2 में से 1 (06अंक)	

प्रथम वर्ष कला हिंदी
प्रथम सत्र (Ist Semester)
मुख्यांश प्रतिष्ठा (Core Course)
DSC HIN B-1 प्रयोजनमूलक हिंदी (03 क्रेडीट)
(DSC HIN A-1 सामान्य हिंदी-I के लिए वैकल्पिक)

➢ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य :**

i) छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्त्व को समझाना चाहिए।
ii) छात्रों का मानक लिपि का परिचय कराना चाहिए।
iii) छात्रों की अंकलेखन से परिचित कराना चाहिए।
iv) छात्रों का हिंदी व्याकरण का ज्ञान प्रदान करना चाहिए।
v) शब्द निर्माण, रिपोर्ट लेखन, कार्यालय टिप्पण, पत्राचार तथा पारिभाषिक शब्दावली का परिचय कराना।
vi) पत्रकारिता तथा निबंध लेखन की क्षमता की विकसित करना।

प्रथम सत्र (Ist Semester) पाठ्यक्रम

1) प्रयोजनमूलक हिंदी - परिभाषा, स्वरूप व्यवहार के क्षेत्र आवश्यकता
और प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ

2) पत्र-लेखन - सामान्य परिचय पत्र लेखन की विशेषताएँ।
पत्रलेखन के प्रकार
सामान्य पत्र निमंत्रण, अभिनंदन तथा संवेदना पत्र।
आवेदन पत्र - नोकरी, छुट्टी तथा वेतनवृध्दी हेतु।

3) पत्रकारिता - पत्रकारिता का स्वरूप, परिभाषा।
पत्रकारिता के प्रकार ग्रामीण पत्रकारिता, कृषि
पत्रकारिता दूरदर्शन पत्रकारिता फिल्मी पत्रकारिता, पत्रकारिता।

4) व्याकरण - लिंग, वचन, कारक विशेषण तथा मराठी के प्रभाव से निर्माण
होनेवाली गलतियों को जानकारी। शब्दनिर्माण उपसर्ग एवं प्रत्ययों के
द्वारा।

5) निबंध लेखन - सामान्य परिचय, निबंध के प्रकार
(वर्णनात्मक आत्मकथनात्मक, विचारात्मक, ललित निबंध)

संदर्भ ग्रंथ:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
2) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना डी. चासुदवनंदन प्रसाद
3) मानक हिंदी व्याकरण- डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डव
4) हिंदी निबंध और रचना रामसकल शर्मा
5) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना वीरेन्द्रकुमार गुप्ता
6) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम डॉ अंबादास देशमुख
7) प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धान्त और प्रयोग दंगल झाल्टे
8) प्रयोजनमूलक हिंदी डॉ. तेजपाल चौधरी
9) हिंदी पत्रकारिता कल और आज डॉ. ऋचा शर्मा

प्रथम वर्ष कला हिंदी
प्रथम सत्र (1st Semester)
मुख्यांश प्रतिष्ठा(Core Course)
DSC HIN B-1) प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय - दो घंटे	अंक 60
प्र. 1) प्रयोजनमूलक हिंदी पर दीघोत्तरी प्रश्न	अंक- 12
प्र. 2) अ) पत्रलेखन इकाई पर लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक) आ) सामान्य आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र का प्रारूप (दो में से एक)	अंक- 12
प्र. 3) पत्रकारिता पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक- 12
प्र. 4) अ) वाक्य शुद्धिकरण (छः में से चार) आ) उपसर्ग पहचानना (छः में से चार) इ) प्रत्यय पहचानना (छः में से चार)	अंक- 12
प्र. 5) निबंध (पाँच में से किसी एक विषय पर)	अंक- 12

रूचि आधारित साख पद्धति
Choice Based Credit System (CBCS)
प्रथम वर्ष कला हिंदी
मुख्यांश पाठ्यक्रम(Core Course)
DSC HIN A 2 – सामान्य हिंदी II (3 क्रेडीट)

द्वितीय सत्र पाठ्यक्रम

हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक**साहित्य सरिता** के निम्न रचनाकार एवं उनकी रचनाएं अध्ययनार्थ रखी गई हैं :-

(द्वितीय सत्र) गद्य			
क्र	पाठ / कविता का शीर्षक	लेखक /कवि	विधा
1	मेरी बिटिया	सुषमा मुनीन्द्र	कहानी
2	पहला रोजा	जहीर कुरैशी	कहानी
3	यन्त्र से क्या बेकारी बढती है ?	विनायक दामोदर सावरकर	निबंध
4	मारे गए गुलफाम	डॉ दिलीप पटेल	व्यंग्य
5	यहाँ रोना मना है	ममता कालिया	एकांकी
6	पुण्य स्मरण	महादेवी वर्मा	संस्मरण
(द्वितीय सत्र) पद्य			
1	कैदी और कोकिला	माखनलाल चतुर्वेदी	कविता
2	विधवा	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	कविता
3	कालिदास से	नागार्जुन	कविता
4	टूटा पहिया	धर्मवीर भारती	कविता
5	साथी दु :ख से घबराता है?	गोपालदास सक्सेना नीरज	कविता
6	ग़ज़ल	हरेराम नेमा समीप	ग़ज़ल
व्याकरण - 1 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 2 कहावते 3 अशुद्धि शोधन			

संदर्भ ग्रंथ:

1) साहित्य सरिता – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, कबचौउमवि, जलगाँव
2) उत्तरशती की हिंदी कहानियों में नारी – डॉ. भीमराव पाटील
3) हिंदी कहानियों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – डॉ. शाहु दशरथ मधाले
4) इक्कीसवीं सदी की कहानियों का अनुशीलन – अश्विनी काकडे
5) कहानीकार मोहन राकेश – ईश्वर प्रसाद बिदादा
6) कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
7) समकालीन कविता का बीजगणित – कुमार मिश्र
8) समकालीन हिंदी कविता – परमानंद श्रीवास्तव
9) आधुनिक कविता का पुर्नपाठ– डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
10) छायावादोत्तर हिंदी कविता में ग्राम्यबोध – डॉ. सरोज वर्मा
11) देवनागरी लिपि तथा मानवीकरण, संपा. प्रो. अवनीश कुमार, केंद्रीय हिंदी निदेशालय (भारत सरकार)
12) हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
13) मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर
14) शुध्द हिंदी– डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यकार जयपुर
15) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी– ओंकारनाथ वर्मा, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ
16) व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल, पीतांबर पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
17) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण – डॉ. नामदेव उतकर, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
18) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण– डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर
19) प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, ब्रह्मनगर, कानपुर
20) व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ईश्वरदत्त शील, विद्या विहार, गांधीनगर, कानपुर

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

प्रथम वर्ष कला हिंदी

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

मुख्यांश पाठ्यक्रम(Core Course)

DSC HIN A 2 – सामान्य हिंदी II (3 क्रेडीट)

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन</u>

समय :- दो घंटे	पूर्णांक -60
प्रश्न 1 अ) बहुपर्याय वाले प्रश्न 8 में से 6 के जवाब देने है | (04 गद्य पर 04 पद्य पर)	06
आ) एक वाक्य में जवाब वाले प्रश्न 8 में से 6 के जवाब लिखने है | (04 गद्य पर 04 पद्य पर)	06
प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न	
क) गद्य पर 2 में से 1	06
ख) पद्य पर 2 में से 1	06
प्रश्न 3 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4 के जवाब लिखने है | {3+3+3+3} (03 गद्य पर 03 पद्य पर)	12
प्रश्न 4 ससंदर्भ व्याख्या	
(गद्य पर 2 में से 1)	06
(पद्य पर 2 में से 1)	06
प्रश्न 5 व्याकरण पर	
1 मुहावरे एवं लोकोक्तियां अर्थ वाक्य में प्रयोग (04अंक)	
2 कहावते अर्थ वाक्य में प्रयोग (04अंक)	12
3 वर्तनी के आधारपर अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना(04अंक)	

प्रथम वर्ष कला हिंदी
द्वितीय सत्र (II Semester)
मुख्यांश पाठ्यक्रम(Core Course)
DSC HIN B-2 प्रयोजनमूलक हिंदी (03 क्रेडीट)
(DSC HINA-2 सामान्य हिंदी II के लिए वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

1) प्रयुक्ति : परिभाषा, उपयोग के विविध क्षेत्र (समाज, प्रशासन, व्यापार, विज्ञान), साहित्यिक, वाणिज्यिक प्रशासनिक, वैज्ञानिक प्रयुक्तियों का परिचय

2) मानक लिपि और अंकलेखन :

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत वर्णमाला।
- देवनागरी लिपि चिह्नों का अध्ययन एवं प्रयोग (स्वर, व्यंजन मात्राएँ, अनुनासिक अनुसार विसर्ग, चिह्न, संयुक्त वर्ण गृहित ध्वनियाँ)।
- मानक हिंदी वर्तनी संबंधी नियमावली का परिचय(पूर्ण विराम, अल्पविराम अर्थ विराम, प्रश्नचिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, अवतरण, कोष्ठक, लोप चिह्न, संक्षेप चिन)।
- अंकलेखन संख्यात्मक शब्द लेखन(1 से 100 तक), गणितीय चिह्न, पहाड़े की शब्दावली का अध्ययन

3) रिपोर्ट लेखन : सभा-सम्मेलन, संगोष्ठी उत्सव समारोह से संबंधित

4) मीडिया लेखन : विज्ञापन लेखन, संवादलेखन, रिपोतार्ज लेखन, उद्घोषणा लेखन, समाचार लेखन।

5) पारिभाषिक शब्दावली :

- कार्यालयों के टिप्पण, पत्राचार में प्रयुक्त शब्दावली वाक्यांश। (नमुना सूची संलग्न)
- पदनाम सूची (नमूना सूची संलग्न)

संदर्भ ग्रंथ-

1) व्यावहारिक हिंदी और रचना - कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनूपचंद्र भवाणी, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली

3) प्रयोजनमूलक हिंदी(भाग १, २) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन कानपुर

4) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5) हिंदी वर्तनी और शब्द लेखन - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

6) देवनागरी विकास परिवर्तन और मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

7) विराम चिह्न - राजमल जैन, ऑक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली

8) वर्तनी संबंधी नियमावली- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

9) शुध्द हिंदी - डॉ. हरदेव बाहरी

10) प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. माधव सोनटक्के

11) मीडिया साहित्यिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में - डॉ. विजय गाडे

प्रथम वर्ष कला हिंदी

द्वितीय सत्र (II Semester)

मुख्यांश पाठ्यक्रम (Core Course)

DSC HIN B-2) प्रयोजनमूलक हिंदी I

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय दो घंटे	**अंक 60**
प्र. 1) प्रयुक्ति पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक- 12
प्र. 2) मानक हिंदी और अंकलेखन इकाई पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न(तीन में से दो)	अंक- 12
प्र. 3) रिपोर्ट लखन इकाई पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	अंक- 12
प्र. 4) मीडिया लेखन पर आधारित टिप्पणियों (चार में से दो)	अंक- 12
प्र. 5) अ) अंग्रेजी वाक्यांशों का हिंदी पर्याय ओर वाक्य मेंप्रयोग (आठ में से छः)	अंक -12
आ) अंग्रेजी पारिभाषिक पदनाम सूचक शब्दों के हिंदी पर्याय(आठ में से छ.)	

प्रयोजनमूलक हिंदी

कार्यालय टिप्पण तथा पत्राचार में प्रयुक्त शब्दावली / वाक्यांश (नमूना सूची)

As per details below	नीचे लिखे ब्यौरों के अनुसार
Above mentioned	ऊपर लिखित
Admission with permission	अनुमति लेकर हो भीतर आइए
By authority of	के अधिकार से
By Return of post	लौटती डाक से
Call for the report	रिपोर्ट मंगाइए
Circulate them and file	परिपत्रित करक फाइल किया गया
During the period	इस अवधि में
Enclosed statement	संलग्न विवरण
Explained in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया
Fair copy of the letter	पत्र की स्वच्छ प्रति
For information and guidance	सूचना एवं मार्गदर्शन हेतु
Give information in detail	विस्तारपूर्वक विवरण प्रस्तुत कीजिए
Gradual recovery	क्रमशः वसूली
Hard and fast rule	सुनिश्चित नियम
Highly objectionable	अत्यंत आपत्तिजनक
Immediately below	ठीक नीचे
In due course	यथा समय
Joining Report	कार्यग्रहण काम पर आने को सूचना
Jurisdiction	अधिकार क्षेत्र
Keep pending	निर्णयार्थ रोक रखा जाए
Keeping in view	ध्यान में रखते हुए
Leave without pay	अवैतनिक छुट्टी
Lowest quotation	न्यूनतम भाव
Maintenance allowance	निर्वाह भत्ता
May be permitted	अनुमति दी जाए
Necessary report is still awaited	आवश्यक रिपार्ट को अभी तक प्रतीक्षा है।
No objection certificate	अनापत्ति प्रमाणपत्र
Office Memorandum	कार्यालय ज्ञापन
Original Copy	मूल प्रति

Please discuss	कृपया चर्चा करें
Please issue reminder	कृपया अनुस्मारक भेजे
Prior approved	पूर्वानुमोदन
Qualified	अर्हता योग्य प्राप्त
Query has been raised	प्रश्न उठाया गया है
Restrictions are removed	प्रतिबंध हटाए जाते है
Returned for reconsideration	पुनर्विचार के लिए लौटाया गया
Selection Committee	चयन समिति
Show cause notice	कारण बताओ नोटिस
Temporary Appointment	अस्थायी नियुक्ति
This is to Certify that	यह प्रमाणित किया जाता है कि.....
Under advice to us	हम सूचना देते हुए
Urgent action is required	तुरंत कारवाई अपेक्षित है
Vacancies May be advertised	रिक्त पदों को विज्ञापित किया जाए
Valid reasons May be given	उचित कारण दिए जाए
Warning is given	चेतावनी दी जाती है
We regret with the remarks	हमें खेद है टिप्पणियों के साथ
You may recall	आपका स्मरण होगा
Yours obediently	आपका आज्ञाकारी

पदनाम नमूना सूची

Accountant	-लेखाकार
Advisor	-सलाहकार / परामर्शदाता
Auditor	-लेखा परीक्षक
Bill collector	-वित्त संग्रहकर्ता
Block Development Officer	- खंड विकास अधिकारी
Branch Manager	- शाखा प्रबंधक
Cashier	- खंजाची
Chancellor	- कुलाधिपति
Collector	-जिलाधीश
Commissioner	-आयुक्त
Custom Officer	-सीमा शुल्क अधिकारी
Census Officer	-जनगणना अधिकारी
Dispatch Clerk	-प्रेषण लिपिक
Development Officer	-विकास अधिकारी
Divisional Manager	-मंडल प्रबंधक
Director of Education	-शिक्षा निदेशक
District Judge	-जिला न्यायाधिश
Engineer	-अभियंता/ इंजीनियर
Elected Director	-निर्वाचित निर्देशक
Employment Officer	- रोजगार अधिकारी
Field Officer	-क्षेत्र अधिकारी
Financial Commissioner	- वित्त आयुक्त
General Manager	-महाप्रबंधक
Godown Inspector	-गोदाम निरीक्षक
Governor	- राज्यपाल
Head Office	-प्रधान कार्यालय
Head of Department	-विभागाध्यक्ष
Hindi Officer	-हिंदी अधिकारी
Honorary Advisor	-अवैतनिक सलाहकार
Inspector	-निरीक्षक
Incharge Officer	-प्रभारी अधिकारी
Joint Director	-संयुक्त निर्देशक
Joint Secretary	-संयुक्त सचिव
Law Officer	-विधि अधिकारी
Lady Welfare Officer	-महिला कल्याण अधिकारी
Liasion Officer	-संपर्क अधिकारी
Managing Director	-प्रबंध निदेशक
Medical Officer	-चिकित्सा अधिकारी
Nominee Director	-नामिक निदेशक
Officer	-अधिकारी
Officer Trainee	-प्रशिक्षणार्थी अधिकारी
Opposition Leader	-विरोधी दल
Principal	-प्रधानाचार्य
Public relations officer	जनसंपर्क अधिकारी
Planning Officer	-योजना अधिकारी
Receptionist	-स्वागती
Record keeper	-अभिलेखपाल
Regional Manager	-क्षेत्रीय प्रबंधक
Registrar	-कुलसचिव
Stenographer	-आशुलिपिक
Supervisor	- पर्यवेक्षक
Treasurer	-कोषपाल
Tutor	-अनुशिक्षक
Typist	-टंकक/टाइपिस्ट
Vice Chancellor	-कुलपति
Vigilance Officer	-सतर्कता अधिकारी
Watchman	-चौकीदार
Zonal Manager	-मंडल प्रबंधक

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System (CBCS)

प्रथम वर्ष कला हिंदी

सत्र (Semester)	मुख्यांश पाठ्यक्रम Core Course (12) (पुराना)	मुख्यांश पाठ्यक्रम Core Course (12) (नया)	योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम Ability Enhancement Compulsory Course (AEC) (03)	कौशल विकास संवर्द्धन प्रश्नपत्र Skill Enhancement Paper (04)	अनुशासित विशेष वैकल्पिक पाठ्यक्रम Discipline Specific Elective Course (08)
सत्र क्र. I	DSC HIN A-1 हिंदी कहानी अथवा DSC HIN B-1 प्रयोजनमूलक हिंदी	DSC-HIN (A-1) सामान्य हिंदी I अथवा DSC-HIN (B-1) प्रयोजनमूलक हिंदी	--	--	--
सत्र क्र. II	DSC HIN A-2 हिंदी कविता अथवा DSC HIN B-2 प्रयोजनमूलक हिंदी	DSC-HIN (A-2) सामान्य हिंदी II अथवा DSC-HIN (B-2) प्रयोजनमूलक हिंदी	--	--	--

प्रोफेसर सुनील कुलकर्णी
अध्यक्ष, हिंदी अभ्यास मंडल
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव